संरक्षा, सुरक्षा और आध्यात्मिकता का गहरा सम्बन्ध - वी एन माथुर

माउण्ट आबू :- आज हमारे देश में जनसंख्या वृद्धि के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है और वाहन दुर्घटनाओं में भी निरन्तर वृद्धि हो रही है। सड़क दुर्घटनाओं तथा रेल दुर्घटनाओं के कारण अनेक लोग मौत के शिकार होते हैं। इन दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण मानव की गल्ती ही होता है। हमारे देश में रेल दुर्घटनाओं का प्रतिशत तो विकसित देशों के समकक्ष ही है लेकिन रोड़ दुर्घटनाओं में मौत से 1,00,000 से ज्यादा जीवन समाप्त होते हैं जो चिन्ता का विषय है। टैक्नोलॉजी के प्रयोग से इसमें कमी लाने के प्रयास तो किये जा रहे हैं लेकिन मानवीय भूल के कारण हो रही दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए मानसिकता को बदलना अति आवश्यक है। ज्ञान सरोवर स्थित अकादमी में **यातायात एवं परिवहन प्रभाग** द्वारा ***सम्पूर्ण सुरक्षा के लिए आध्यात्मिकता*** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए दिल्ली से पधारे रेल मंत्रालय के सचिव तथा रेलवे बोर्ड के मेम्बर ट्रैफिक **भ्राता वी. एन. माथुर** ने उक्त बात कही।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति की मानसिक एकाग्रता को बढ़ाने के लिए इस प्रकार के सेमीनार का आयोजन काफी कारगर साबित होता है क्योंकि सुरक्षा, संरक्षा और आध्यात्मिकता का आपस में गहरा सम्बन्ध है। उन्होनें यह भी कहा कि सुरक्षा के उपायों में जहां ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्ति की प्रक्रिया सुदृढ़ करने, चालकों को प्रशिक्षित करने तथा उनके स्वास्थय पर ध्यान देने का कार्य तो किया ही जाता है लेकिन आध्यात्मिक शिक्षा का इसमें बहुत बड़ा योगदान रहेगा इसलिए आपको जो कुछ यहां सिखाया गया है उसे अपने जीवन में अपनाकर अपने परिवार तथा कार्यक्षेत्र में भी प्रयोग करेंगे तो समाज में नई चेतना का संचार होगा तथा इस सेमीनार का उद्देश्य भी पूर्ण होगा। इस सुन्दर और सफल सेमीनार आयोजन के लिए मैं ब्रह्माकुमारी संस्थान को हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि आप इस प्रयास को निरन्तर जारी रखकर समाज को नई दिशा देने का कार्य करेंगे।

इस 5 दिवसीय सेमीनार के अन्तिम सत्र में मुम्बई से पधारे प्रबन्धन प्रशिक्षक **डा.गिरीश पटेल ने 20 सूत्री कार्ययोजना** पेश की गई जिसमें व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा व्यवसायिक स्तर पर कौनसे ठोस कदम उठाये जायेंगे उनका वर्णन किया गया। इस कार्ययोजना में नियमित **सकारात्मक चिंतन करना** व ध्यान के माध्यम से सशक्त बनने का वायदा; **'अच्छा बनो, अच्छा करो और अच्छा अनुभव करो'** का सिद्धान्त व्यवहारिक जीवन में अपनाने तथा बच्चों के साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार करके उनकी नैसर्गिक क्षमता विकसित करने में उन्हें सहयोग देना और व्यवसायिक स्तर पर **सर्विस विद स्माइल** का सूत्र अपनाने का प्रण करने का विशेष उल्लेख किया गया है। इस कार्ययोजना का अनुमोदन हुबली से पधारे दक्षिण पश्चिम रेलवे के सी.पी.टी.एम. **भ्राता एम. जी. पत्तार** तथा मुम्बई से पधारे सेन्ट्रल रेलवे के चीफ क्लैम्स ऑफिसर **भ्राता बी. एन. वाघमारे** ने किया तथा ऑडिटोरियम में उपस्थित हरेक प्रतिभागी ने अपने हाथ उठाकर सहमति जताई।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की मुख्य प्रशासिका **राजयोगिनी दादी जानकी** ने विडीयो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब भगवान के घर में आये हो तो परमात्मा से शान्ति प्रेम तथा खुशी के खजाने से भरपूर होकर जाना है। परमात्मा हमको सदा अपनी छत्रछाया में सुरक्षित ही रखेगा ऐसा विश्वास कायम करके कार्य करेंगे तो जीवन में सदा खुशहाल रहेंगे लेकिन उसके लिए क्रोध और अंहकार के साथ अन्य जो हमारे अन्दर दु:ख देने वाली बातें हैं उनका यहां पर ही त्याग करके जाओ ऐसी हमारी शुभ आशा है। इस कार्यक्रम में आपको शुद्ध और श्रेष्ठ संकल्प करने की जो कला सिखाई गई है उसको जीवन में सदा याद रखना तो सदा सुरक्षित और सफल रहेंगे।

प्रभाग के अध्यक्ष **भ्राता ओमप्रकाश** ने हरेक को आत्मीय भाव से देखते हुए अपना कार्य करने की सलाह देते हुए कहा कि परमात्मा हमारा सदा साथी बना रहे तथा मदद करता रहे उसके लिए हमें स्वयं को आत्मिक स्मृति में रखने तथा उसे याद करते रहने की जरूरत है। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका **बहन दिव्याप्रभा** ने आपसी सहयोग के द्वारा इस सेमीनार की शिक्षाओं को यातायात एवं परिवहन के हर कर्मचारी तथा अधिकारी तक पहुँचाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज से आपको अन्य लोगों के सामने उदाहरण बनकर रहना है कि कैसे सकारात्मक जीवन शैली से ट्रांसपोर्ट का कार्य करके हम सदा सुरक्षित रह सकते हैं तथा हर कार्य सुचारू रूप से कर सकते हैं तथा दुर्घटनाओं में कमी भी ला सकते हैं। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **बी. के. सुरेश शर्मा** ने बहुत ही सुन्दर और रोमांचक अंदाज में मंच संचालन किया।